राष्ट्रीय खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान

एवंम

नवोन्मेषी एवं अनुप्रयुक्त जैव - प्रसंस्करण केंद्र

(पूर्व काल में जैव प्रसंस्करण इकाई)

(जैव प्रोध्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)

सी-127, औध्योगिक क्षेत्र, फेस-8, मोहाली (प0) – 160071

अपील

प्रिय मित्रो,

हिन्दी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाये,

हमारे संविधान निर्माताओ ने 14 सितंबर 1949 को हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में सविकार किया था। इसी उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को 'हिन्दी दिवस' मनाया जाता है। संविधान के अनुछेद 343 (1) के अनुसार संघ सरकार को यह दयितव सोंपा गया है की वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए तथा उसका विकास करें ताकि भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वो की अभीव्यक्ति के लिए हिन्दी भाषा माध्यम बन सकें। इस उदेश्य को पूर्ण करना हम सभी की जीम्मेवारी है। अतः हम सभी को सामान्य तौर पर सम्पूर्ण वर्ष भर आधिकारिक रूप से हिन्दी भाषा का प्रयोग एव प्रचार करना चाइए। इस हिन्दी पखवाड़े को मात्र हिन्दी का अधिक उपयोग करने वाला पखवाड़ा ना मानकर; इसे अपना स्वयं के प्रति दायितव निभाना तथा यह निष्कर्ष निकालना है की हम अपनी राजभाषा को राष्ट्रीय एव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महतावपूर्ण स्थान प्राप्त करवाने के लिए क्या कर सकते है।

विशव के सभी प्रमुख विकसित और विकासशील देश अपनी-2 भाषाओं में ही सरकारी कामकाज करके समृद्ध और उन्नत हुए है। भारत में भी केंद्र सरकार के कार्यल्यों में हिन्दी का अधिक प्रयोग करने हेतु राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमो के परिणाम स्वरूप कम्प्युटर पर हिन्दी कार्य करना सुविधाजनक हो गया है जिसके परिणाम स्वरूप सरकारी कामकाज हिन्दी में करना सहज हो गया है। हमारे लिए यह एक अच्छा अवसर है की हम भी हिन्दी भाषा का प्रयोग करते हुए विज्ञान को जन सुलभ बनाए और देश की प्रगति में अपना योगदान दें।

हमारे संस्थान में इस वर्ष 01 सितंबर' 2014 से 14 सितंबर' 2014 तक हिन्दी दिवस मनाया जा रहा है। जिस दौरान काफी प्रतियोगिताये आयोजित की जाएंगी। अतः विभाग के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियो से मेरा अनुरोध है की वह इस दौरान होने वाली सभी प्रतियोगितायो में भाग लेकर हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि लाये। तथा हिन्दी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम यह संकल्प ले की हम सभी अपना अधिक से अधिक कार्य राजभाषा में करेंगे। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विशवास है की हम अपना लक्ष्य आवश्यक प्राप्त करेंगे और संस्थान में हिन्दी प्रचार एव प्रयोग को नया आयाम देंगे।

राजेन्द्र सांगवान

डॉ राजेन्द्र सिंह सांगवान
(मुख्य कार्यकारी अधिकारी)